https://recruitmentindia.in/previous-papers/

भाग 2 भाषा 1 (हिन्दी)

1. कपटी मित्र के लिए सही मुहावरा है

(1) दाँत काटी रोटी

(2) आस्तीन का साँप

(3) अक्ल की दुम

(4) आबनूस का कुन्दा

व्याख्या (2) कपटी मित्र का अर्थ है-'आस्तीन का साँप'

2. इन्द्रियों को जीतने बाले के लिए एक शब्द है

(1) दूरदर्शी

(2) दत्तवित्त

(3) कुशाग्रबुद्धि

(4) जितेन्द्रिय

व्याख्या (4) इन्द्रियों को जीतने वाले के लिए एक शब्द है जितेन्द्रिया

3. पवन का सन्धि-विच्छेद है

(1) प + अवन

(2) प + वन

(3) पो + अन

(4) पौ + अन

व्याख्या (3) पवन = पौ + अन अयादि सन्धि = ओ + अ = अव)

4. पुनर्जन्म का सन्धि-विच्छेद है

(1) पुनर + जन्म

(2) पु: + नरजन्म

(3) पुन: + जन्म

(4) पुनर् + आजन्म

व्याख्या (3) पुन: + जन्म = पुनर्जन्म (विसर्ग सन्धि)

5. 'इत्यादि' शब्द में कौन-सी सन्धि है?

(1) यण् सन्धि

(2) वृद्धि सन्धि

(3) गुण सन्धि

(4) दीर्घ सन्धि

व्याख्या (1) यदि इ के बाद काई स्वर आए, तो इ के स्थान पर 'य' हो जाता है जो यण सन्धि के सूत्र 'इकोयणचि' से निर्मित होता है। अत: इत्यादि = इति +
आदि (यण् सन्धि का उदाहरण है)

6. 'नाक रगड़ना' का क्या अर्थ है?

(1) नाक में चोट लगना

(2) इज्जत देना

(3) दीनतापूर्वक प्रार्थना करना

(4) चापलूसी करना

व्याख्या (3) नाक रगड़ना का अर्थ है दीनतापूर्वक प्रार्थना या विनती करना।

7. उन्मूलन का विलोम क्या है?

(1) उत्थान

(2) उत्कर्ष

(3) रोपण

(4) अवनति

व्याख्या (3) उन्मूलन का विलोम शब्द है 'रोपण'

8. महावीर प्रसाद द्विवेदी ने आदिकाल को क्या संज्ञा दी है?

(1) चारणकाल

(2) आदिकाल

(3) वीरकाल

(4) बीजवपन काल

व्याख्या (4) महावीर प्रसाद द्विवेदी ने आदिकाल को बीजवपन काल की संज्ञा दी है।

9. 'अति सूधो स्नेह को मारग है' किसकी पंक्ति है?

(1) आलम

(2) बोधा

(3) ठाकुर

(4) घनानन्द

व्याख्या (4) " अति सूधो स्नेह को मारग है, जहाँ नेकु सयानप बांक नहीं", घनानन्द की सूक्ति है।

10. 'कालिन्दी का पर्यायवाची क्या है?

(1) सरस्वती

(2) लक्ष्मी

(3) गंगा

(4) यमुना

व्याख्या (4) कालिन्दी का पर्याय है 'यमुना'

11. आधुनिक हिन्दी साहित्य की पहली आत्मकथा के लेखक कौन माने जाते हैं?

(1) बाबू श्यामसुन्दर दास

(2) देवेन्द्र सत्यार्थी

(3) हरिवंशराय बच्चन

(4) जयशंकर प्रसाद

व्याख्या (3) आधुनिक काल की प्रथम आत्मकथा अर्द्धकथानक (बनारसीदास जैन) की है, जब कि आधुनिक हिन्दी साहित्य की पहली आत्मकथा (क्या भूलूक्या याद करुँ के लेखक हरिवंशराय बच्चन है।)

12. 'कार्य के आरम्भ में ही विघ्न पड़ना' किस मुहावरे का अर्थ है?

(1) सिर मारना

(2) सिर पर सेहरा बँधा होना

(3) सिर मुड़ाते ही ओले पड़ना

(4) सिर पर शैतान सवार होना

व्याख्या (3) कार्य के आरम्भ होते ही विघ्न या रुकावट आ जाने के लिए मुहावरा-'सिर मुड़ा ते ही ओले पड़ना' प्रयोग किया जाता है।

13. किस कवि को 'कवियों का कवि' कहा जाता है?

(1) धर्मवीर भारती

(2) शमशेर बहादुर सिंह

(3) रघुवीर सहाय

(4) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

व्याख्या (2) शमशेर बहादुर सिंह को कवियों का कवि कहा जाता है, इनकी प्रमुख रचनाएँ हैं दूसरा सप्तक (21 कविताएँ), 'कुछ कविताएँ, 'कुछ और कविताएँ', इतने पास अपने।

14. 'दशरथ सुत तिहुँ लोक बखाना राम नाम का मरम है आना' किस रचनाकार की पंक्तियाँ हैं?

(1) तुलसीदास

(2) कबीर

(3) केशवदास

(4) सूरदास

व्याख्या (2) दशरथ सुत तिहुँ लोक बखाना, राम नाम का मरम है आना के रचनाकार कबीरदा स जी हैं।

15. हिन्दी का पहला पत्र है

(1) उदन्त मार्तण्ड

(2) इतिहास तिमिरनाशक

(3) बनारस अखबार

(4) हरिशचन्द्र मैगजीन

व्याख्या (1) हिन्दी का पहला साप्ताहिक पत्र उदन्त मार्तण्ड है।

16. 'चिन्तामणि' किसका निबन्ध संग्रह है?

(1) बालमुकुन्द गुप्त

(2) हजारी प्रसाद द्विवेदी

(3) रामचन्द्र शुक्ल

(4) श्यामसुन्दर दास

व्याख्या (3) 'चिन्तामणि' आचार्य रामचन्द्र शुक्ल का निबन्ध संग्रह है, जो तीन भागों में संकलित है।

17. 'काशी नागरी प्रचारिणी सभा' की स्थापना किस वर्ष हुई?

(1) 1893 ई.

(2) 1900 ई.

(3) 1903 ई.

(4) 1905 ई.

व्याख्या (1) हिन्दी के विकास में काशी नागरी प्रचारिणी सभा और इण्डियन प्रेस का योगदान अत्यन्त महत्वपूर्ण रहा है। इसकी स्थापना 1893 ई. में हुई।

18.'प्रेमसागर' किसकी रचना है?

(1) मुंशी सदा सुखलाल

(2) सदल मिश्र

(3) लल्लू लाल जी

(4) रामप्रसाद निरंजनी

व्याख्या (3) प्रेमसागर, लल्लू लाल जी की रचना हैं। इनकी 14 रचनाएँ बताई जाती है जिनमें 'प्रेमसागर' प्रमुख है।

19. व्युत्पत्ति के आधार पर संज्ञा के कितने भेद होते हैं?

(1) तीन

(2) चार

(3) पाँच

(4) छः

व्याख्या (3) व्युत्पत्ति के आधार पर संज्ञा के पाँच भेद है।

20. हिन्दी के शब्दों का लिंग निर्धारण किसके आधार पर होता है?

(1) प्रत्यय

(2) संज्ञा

(3) क्रिया

(4) सर्वनाम

व्याख्या (3) हिन्दी के शब्दों में लिंग धारण क्रिया के आधार पर होता है जैसे 1. मैं जा रहा हूँ (पुल्लिंग) 2. मैं जा रही हूँ। (स्त्रीलिंग)

21. कारक के कितने भेद होते हैं?

(1) सात

(2) आठ

(3) नौ

(4) दस

व्याख्या (2) कारका के 8 भेद हैं, जो इस प्रकार है

1. कर्ता 2. करम 3. करण 4. सम्प्रदान 5. अपादान 6. सम्बन्ध 7. अधिकरण 8. सम्बोधन कारक।

22. 'घ' का उच्चारण स्थान कौन-सा है?

(1) मूर्द्धा

(2) कण्ठ

(3) तालु

(4) दन्त

व्याख्या (3) 'घ' का उच्चारण स्थान है कोमल तालव्य (तालु भाग)

23. 'क्ष' वर्ण किसके योग से बना है?

(1) क् + ष

(2) क् + च

(3) क् + छ

(4) क् + श

व्याख्या (1) क् + ष =

क्ष (जिन व्यंजनो के उच्चारण में अन्य व्यंजनों की सहायता ली जाती है, ऐसे व्यंजन संयुक्त व्यं जन कहलाते हैं।

24. शुद्ध वर्तनी का चयन कीजिए

(1) अस्प्रस्यता

(2) अस्पृष्यता

(3) अस्पृश्यता

(4) अस्प्रश्यता

व्याख्या (3) 'अस्पृश्यता' शुद्ध वर्तनी वाला शब्द है।

25. कवि का स्त्रीलिंग है

(1) कविइत्री

(2) कवित्री

(3) कवयित्री

(4) कवियित्री

व्याख्या (3) कवि का स्त्रीलिंग कवयित्री है।

26. 'तरणि' का पर्यावाची शब्द है

(1) सूर्य

(2) नाम

(3) युवती

(4) नदी

व्याख्या (1) तरणि शब्द का पर्यावाची शब्द है सूर्य इस प्रश्न में सही उत्तर विकल्प (1) दिय ा है।

27. 'मीन' का पर्यावाची शब्द है

(1) शिखी

(2) शापक

(3) विभावरी

(4) मत्स्य

व्याख्या (4) मीन का पर्यावाची शब्द है मत्स्य

28. दिए हुए शब्दों में भिन्न अर्थ वाला शब्द है

(1) आत्मजा

(2) नन्दिनी

(3) भार्या

(4) कन्या

व्याख्या (3) आत्मजा नन्दिनी, भार्या, कन्या में भार्या पत्नी जबकि अन्य सभी पुत्रियों के पर्याय है। अत: भार्या भिन्न है।

29. अनुपम का पर्यावाची शब्द है

(1) स्वर्गीय

(2) लौकिक

(3) पार्थिव

(4) अद्वितीय

व्याख्या (4) अनुपम का पर्यावाची है अद्वितीय

30. कान का कच्चा होने का अर्थ है

(1) कम सुनना

(2) सुनी बात पर विश्वास करना

(3) दूसरे की बात मानना

(4) कान का कमजोर होना

व्याख्या (2) कान का कच्चा होने का अर्थ है सुनी हुई बातों का जल्दी ही विश्वास कर लेना ।